

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2010

## प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घण्टे

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 एवं 6 अनिवार्य हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम एक और प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। सब प्रश्नों का अंक समान है।

### भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न घटनाओं का फलादेश आप किस प्रकार करेंगे? (किन्हीं दो का उत्तर दें)  
क. पदोन्नति  
ख. निवास परिवर्तन  
ग. संतान का जन्म
2. निम्न कुण्डली का अध्ययन कर बुध महादशा में बुध, केतु एवं शुक्र की अंतरदशा पर चर्चा करें।  
12.05.1968, 20:50 घण्टे, दिल्ली, दशा शेष - गुरु 4व, 2मा, 0दि।  
लग्न : वृश्चिक 22:16, सूर्य : मेष 28:32, चन्द्र : तुला 29:51  
मंगल : वृषभ 7:23, बुध : वृषभ 16:56, गुरु : सिंह 03:03,  
शुक्र : मेष 18:04, शनि : मीन 26:31, राहु : मीन 23:34,  
केतु : कन्या 23:34
3. क. प्रश्न 2 की कुण्डली के लिए योगिनी महादशा का प्रथम चक्र बनाए?  
ख. इस योगिनी महादशा के प्रथम चक्र का फलादेश करें?
4. निम्न कुण्डली का अध्ययन करे व बताएं कि इस जातक की नौकरी कब लगी होगी, कब विवाह हुआ होगा व कब विदेश गया होगा? इन घटनाओं के लिए संभावित महादशा एवम् अंतरदशा कारण सहित बताएं?  
23.3.1959, 12:37 बजे, गोरखपुर, दशा शेष : शुक्र 13व 4मा 22दि  
लग्न : मिथुन 26:54, सूर्य : मीन 8:37, चन्द्र : सिंह 17:44,  
मंगल : वृषभ 26:46, बुध (व) : मीन 18:56, गुरु (व) : वृश्चिक 08:40  
शुक्र : मेष 09:36, शनि : धनु 13:17, राहु : कन्या 19:47,  
केतु : मीन 19:47
5. विशोत्तरी दशा पद्धति के मुख्य नियामक नियमों पर विचार प्रकट करें?

### भाग-II (गोचर)

6. किन्हीं 2 पर संक्षिप्त में लिखें :-  
क. गोचर फल जानने के लिए जन्म राशि के प्रयोग पर अपना मत प्रकट करें?  
ख. नक्षत्र गोचर से आप क्या समझते हैं?  
ग. सप्तशलाका चक्र पर चर्चा करें?
7. साढ़े साती से आप क्या समझते हैं? तुला राशि के जातक के लिए साढ़े साती के सामान्य फलों पर चर्चा करें?

8. दशा एवं अंतरदशा के फलों पर गोचर के ग्रहों का किस प्रकार प्रभाव पड़ता है? वे कौन सी स्थितियाँ हैं जो विवाह एवं संतान जन्म दर्शाती हैं?
9. मूर्ति निर्णय पद्धति समझाएं? ब्रह्मस्पति ग्रह ने 2 मई 2010 को प्रातः 8:07 बजे मीन राशि में प्रवेश किया, इसके लिए मूर्ति निर्णय की गणना करें। सभी बारह राशियों के लिए इसका फल बताएं।
10. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
- क. लक्षा के नियम
  - ख. द्विग्रह गोचर
  - ग. दैया / कंटकशानि
  - घ. विपरीत वेध